सुविधायें

वर्तमान समय में शिक्षा की चुनौतियॉ - ज्ञान सृजन, प्रक्रमण एवं वितरण की पूर्ण प्रणाली का सामना करने के लिए विश्वविद्यालय ने अपने को सफलतापूर्वक उपकरणयुक्त बना रखा है। यह विश्वविद्यालय एक उच्च विस्तार वाला इन्टरनेट संजाल, जो सभी विभागों, प्रयोगशालाओं तथा छात्रावासों सहित पूर्ण रूप से आबद्ध परिसर है, जिसका अनुरक्षण संगणक केन्द्र द्वारा दक्षता पूर्वक किया जाता है। विश्वविद्यालय के पास अबाध विद्युत आपूर्ति प्राप्त करने की अपनी सुविधा है।

केन्द्रिय ग्रन्थालय एवं संग्रहालय

विश्वविद्यालय में एक केन्द्रीय ग्रन्थालय है, जिसमें लाखों पुस्तकें हैं, विभागीय ग्रंथालय प्रणाली की श्रृंखला के साथ कार्यरत है। यहाँ का 'भारत कला भवन' एक राष्ट्रीय महत्व का विश्वविद्यालय का संग्रहालय है जो दुर्लभ कलाओं एवं मानव निर्मित प्राचीन वस्तुओं का कोषागार है। यह सम्पूर्ण विश्व के पर्यटकों को आकर्षित करता है एवं संग्रहालय विज्ञान, कला इतिहास एवं प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व जैसे विषयों में अध्यापन तथा अनुसंधान में सहायक है।

अतिरिक्त सह-पाठ्यक्रमी और सहायक सेवायें

विश्वविद्यालय अपने छात्रों के बहुमुखी विकास और शिक्षणेत्तर गतिविधियों के लिए एक बहुत ही स्वस्थ सृजनात्मक वातावरण प्रदान करता है। यहाँ पर बड़ी संख्या में खेल का मैदान, अन्तरंग एवं बहिरंग क्रीड़ांगन, व्यायामशाला, नभ/ जल/ थल एन.सी.सी., पर्वतारोहण केन्द्र तथा अभिरुचि केन्द्र स्थित हैं। विश्वविद्यालय सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र तथा विभिन्न संकायों के प्रशिक्षण एवं संस्थापन प्रकोष्ठ छात्रों को रोजगार प्राप्ति में सहायक हैं। विश्वविद्यालय के पास अपनी संचार प्रणाली, एक मुद्रणालय, एक दुग्धशाला, अनेक कृषि भूमि, एक तरण ताल, अतिथि गृह संकुल, २,००० कुर्सियों वाला आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्वतंत्रता भवन सहित अनेक प्रेक्षागृह, स्वास्थ्य केन्द्र, जलपान गृह, भारतीय स्टेट बैंक की चार शाखाएँ, बैंक ऑफ बड़ौदा की एक शाखा, डाक घर की तीन शाखाएँ, एक तार घर, विपणन केन्द्र, जन-संपर्क प्रणाली, हवाई अड्डा, हेलीपैड तथा परमेश्वर बाबा विश्वनाथ का भव्य मंदिर है। विश्वविद्यालय १२०० (लगभग) शैय्याओं वाला सर सुन्दरलाल चिकित्सालय संचालित करता है। इसका उपयोग केवल चिकित्सा विज्ञान के छात्रों के अध्यापन एवं प्रशिक्षण के लिए ही नहीं होता, बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार का कुछ क्षेत्र, मध्य प्रदेश, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ तथा नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र की विशाल आबादी की स्वास्थ्य रक्षा की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी किया जाता है।